**अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी- पुरस्कार वितरण समारोह महामहिम राज्यपाल**

**श्री राम नरेश यादव का उद्बोधन**

स्थान:- भोपाल, दिनांक:- 6 जनवरी, 13 समय:- शाम 6 बजे

32वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी के समारोह में भाग लेकर, मुझे अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। इस शुभ अवसर पर सबसे पहले मैं आप सबको नव वर्ष की बधाई और शुभकानाएं देता हूं। इस प्रदर्शनी में गुलाब के फूल के, विभिन्न आकर्षक रूपों ने मुझे प्रभावित किया है। प्रदर्शनी में शामिल हुए गुलाब प्रेमियों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि मानव जीवन की रक्षा के लिए प्रकृति से प्रेम करना बहुत जरूरी है।

यह प्रसन्नता की बात है कि मध्यप्रदेश रोज सोसायटी तथा संचालनालय उद्यानिकी मध्यप्रदेश शासन द्वारा संयुक्त रूप से निरंतर हर वर्ष जनवरी माह में अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है और यह सामाजिक संगठन तथा शासकीय विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जाने वाली देश की एकमात्र प्रदर्शनी है।

उद्यानिकी के क्षेत्र में गुलाब के फूलों ने, अन्य फूलों की तुलना में, बहुत अधिक व्यापारिक महत्व स्थापित कर लिया है। इंसान के जीवन में हर कदम पर, गुलाब का फूल एक अच्छा दोस्त बन गया है। गुलाब की खेती व्यावसायिक रूप ले चुकी है। इसलिए गुलाब की खेती को बढ़ावा देने के लिए, अखिल भारतीय स्तर की इस तरह की प्रदर्शनियों के आयोजन बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

पृथ्वी पर जीवन तभी तक कायम है, जब तक प्रकृति मेहरबान है। प्रकृति अपने हर स्वरूप में जीव-जन्तुओं और मानव को कुछ न कुछ देती ही रहती है। इसलिए हम सभी इंसानों का भी यह कर्तव्य है कि प्रकृति से प्रेम करें, प्रकृति की रक्षा करें। प्रकृति को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचाने से बचें।

गुलाब का फूल हमें देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की याद दिलाता है। पंडित नेहरू की शेरवानी में गुलाब का फूल हमेशा शोभायमान रहता था। यह भी कहा जा सकता है कि, गुलाब का फूल पंडित नेहरू के व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया था। फूल हमें शांति और प्रेम का पाठ पढ़ाते हैं। गुलाब तो कांटों के बीच खूबसूरत जिन्दगी की मिसाल है।

आज के व्यावसायिक वातावरण में, गुलाब की खेती को बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि गुलाब की अंतर्राष्ट्रीय किस्मों की पैदावार को प्रोत्साहित किया जाए। मध्यप्रदेश की धरती और यहां का मौसम गुलाब के फूलों की खेती के लिए बहुत अच्छा है। उद्यानिकी विशेषज्ञों को इन बातों को ध्यान में रखकर गुलाब की किस्मों में सुधार और इसके निर्यात की योजनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

मुझे यह जानकर खुशी है कि पिछले कुछ वर्षों से इस प्रतियोगिता में किसानों एवं व्यावयसायिक उत्पादकों के लिए भी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाने लगा है तथा इसके अच्छे परिणाम सामने आये हैं। गुलाब तथा अन्य पुष्पों का उत्पादन प्रदेश में काफी बढ़ा है तथा इसमें लगातार वृद्धि हो रही है।

मध्यप्रदेश रोज सोसायटी द्वारा प्रदेश के अनेक शहरों में गुलाब की लोकप्रियता को बढ़ाने की दिशा में, ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों का परिणाम आज यहां, बड़ी संख्या में उपस्थित गुलाब प्रेमियों और प्रतियोगियों के रूप में दिखाई दे रहा है। यह मात्र प्रदर्शनी नहीं यहां से गुलाब प्रेमी अपनी पसंद के पौधे खरीद कर भी अपने घर आंगन की शोभा बढ़ाते हैं।

मुझे उम्मीद है कि आमजनों के बीच उद्यानिकी के प्रति अभिरूचि बढ़ाने के लिए ऐसे पुष्प प्रदर्शन आयोजित किये जाते रहेंगे। इस प्रदर्शन में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किये जाने वाले गुलाबों से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं को मैं बधाई देना चाहता हूं और उम्मीद है कि वे अपने आस-पास अभिरूचि और अतिरिक्त आय के लिए उद्यानिकी फसलों का प्रचार प्रसार करेंगे।

समस्त गुलाब प्रेमियों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द।